

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में बी.डी.एस. इंटर्न्स के लिये हुआ दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन



जन सागर टुडे (सं)
मुरादनगर। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गणियाचाद के ओरल मेडिसन एंड रेहियोलॉजी, औरल पैथोलॉजी एवं पचिलक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभागों के द्वारा बी.डी.एस. इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में 96 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में घृण्डि के साथ-साथ उन्नें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को औरल मेडिसन एंड रेहियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल अफ ट्रेनिंग, नव ट्रेनिंग और



इमर्जिंग मोडेलिंग इन डेन्टिस्ट्री के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लाई प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैं-इस-अॅन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. संस्कृतवेद्य का अध्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी विसिटर इन क्लीनिको-पैथोलॉजिक असेसमेंट नोड फॉर ए.रिसर्च विद ऐविडेन्स बेसड एप्रोच विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके उपने ज्ञान को बढ़ावा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने ऐविडेन्स बेसड डेन्टिस्ट्री से जुड़े तथ्यों से छात्रों को अवगत कराया। सेंक्रांत के दौरान छात्रों को डी.एन.ए. आइसोलेशन की युनियांदी बातों से अवगत कराने के साथ-साथ इस विषय पर हैं-इस-अॅन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों को ब्लड के दौरान छात्रों ने उन्हें जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों ने कैरिओग्राम और कैम्ब्रिज असेसमेंट का बढ़चढ़ कर अभ्यास किया तथा

कॉन्सेप्ट एंड मीथोडोलॉजीज ऑफ चेयर साइड इवेंटिंगशन विषय के बारे में बताया गया जिसमें छात्रों से विशेषज्ञ की नियरानी में संचालित चातुर छात्रों वाले रोगियों की एक्सकोलीएटिव साइटोलॉजिकल स्मीयर और वाइटल स्टेनिंग (टोल्यूडीन ब्लू) का अभ्यास करवाया गया तथा माइक्रोस्कोप के तहत उसका मूल्यांकन भी किया। इसके बाद छात्रों को कल्चर प्लेटिंग और कॉलेनीज कार्डिटिंग का भी डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के बीच में सर्वशेष ज्ञान प्राप्त हुआ। जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चहल तथा वाईस चेयरमैन अपर्णत चड्हा को धन्यवाद दिया।

"लाहौर और साक्षात् एक ऐसी लाजाई है जो कभी अपने लाजा को बिछोड़ लाई देती तो किसी के लाजा ने औटला किसी की लाजा नहीं देंगे"



अस्त होना
आधुनिक
एंगेजमेंट...



गानीण धेरों ने
स्वास्थ्य सुविधाएं
होंगी ...

सर्टाफ़ा/बाइपार	सेप्टेम्बर 10 तक	पर्याप्ति विनियोग
₹ 52,730	55,600 ₹	
सेसेशन 1.23% ▼	▼ 1.14% नियमी	

58,773.87 | 17,490.70

www.dainikhind.com
@DainikHind

पत्र: 41 | 35वें 10 | गणियांदर, गुरुग्राम, 26 प्रवाल, 2022 | पेज: 06 | मृत्यु: 02 | गणियांदर, नोएडा, दिल्ली, मरठ, हायड, बुलंदशहर, बागलौ, शामली, मुजफ्फरनगर व गढ़ानगर में प्रसारित | डाक पंचीयन संख्या गुरी /GDB-166/2016-18

दैनिक हिन्दू

हमेशा आपके साथ
गोला, जूनून और जन्मता से जुड़ी स्थानों

स्थापना: 1963



सुबह - रात्रि
5.54 - 6.51



अधिकतम - न्यूनतम
33° - 27°

घब्बाझार: 94

इंटर्न्स के लिए क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट दो दिनी कोर्स आयोजित



हिन्दू संवाददाता

मुरादनगर। मेरठ दिल्ली मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 96 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ

उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्हा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस० डेंटल कॉलेज में बी0डी0एस० इंटर्नॅस के लिये दो दिवसीय वलीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन

धारा न्यूज संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस० डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसन एंड रेफियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पश्चिमक हेल्थ डेटिस्ट्री विभागों के द्वारा बी0डी0एस० इंटर्नॅस के लिये दो दिवसीय वलीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 96 इंटर्नॅस ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस व्याख्यक्रम का लक्ष्य छात्रों के दत्त विभिन्नता के सेत्र में उनके वलीनिकल शृणु में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम रपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेफियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा “इमेजिंग गेल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए.उडी. इमेजिंग मॉडेलिंग इन डेन्टिस्ट्री” विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंडस-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की

मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रनुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इटरप्रिटेशन, नर्व ट्रैसिंग लौर आर्टिफिकल्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की धूमिका पर हैंडस-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी “प्रिमियन इन वलीनिको-पैथोलॉजिक असेसमेंट नीड फॉर ए. रिसर्च विदेविडेन्स बेस्ड एप्लिकेशन” विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दत्त चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने

ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने ऐविडेन्स बेस्ड डेन्टिस्ट्री से जुड़े तथ्यों से छात्रों को अवगत कराया। लेकर के दौरान छात्रों को बी.एन.ए. आइसोलेशन की बुनियादी बातों से अवगत कराने के साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों को ब्लड के बारे में, सलाइवा और बी.सी.एफ. सांग ह करना एवं पी.आर.पी. तैयार करने के बारे में भी पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके बाद छात्रों को “रिसेंट कॉर्सेप्ट प्रैंड मैथोडेलॉजीस ऑफ चेयर साइड इंवेन्टिंग्शन” विषय के बारे में बताया गया जिसमें छात्रों से विशेषज्ञ की निगरानी में संभावित घातक घावों बले रोगियों की एक्सप्लोलीएटिव साइटोलजिकल स्मीवर और बाइटल स्टेनिंग (टोल्यूडीन ब्लू) का अभ्यास करवाया गया तथा माहकोस्कोप के तहत लम्बा नूल्यांकन भी किया। इसके बाद छात्रों को कल्चर एलेटेंग और कॉलोनी कालटिंग वा भी डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया।



- आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिये

दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन

कार्यक्रम में 96 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया।

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के औरल मेडिसन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमेजिंग रोल ऑफ सीबीसीटी ए. ३डी. इमेजिंग मोडेलिंग इन डेन्टर्स्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंडस-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सीबीसीटी के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सीबीसीटी के प्रमुख और अन्य २डी. और ३डी. इमेजिंग तीर-तरीकों के अंदर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नवे ट्रेसिंग और आर्टिफैक्चर्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्लाई प्लानिंग करने में सीबीसीटी की भूमिका पर हैंडस-ऑन दिया गया। इस कार्यक्रम में ९६ इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दो चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की

प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को औरल मेडिसन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमेजिंग रोल ऑफ सीबीसीटी ए. ३डी. इमेजिंग मोडेलिंग इन डेन्टर्स्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंडस-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सीबीसीटी के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके बाद छात्रों को रिसेट कॉन्सेप्ट एंड मैथेडोलॉजीज ऑफ चेयर साइड इंवेस्टिगेशन विषय के बारे में बताया गया जिसमें छात्रों से विशेषज्ञ की निगरानी में संभावित घातक घावों वाले रोगियों की एक्समोलाइएटिव साइटोलॉजिकल स्मीवर और वाइटल स्टेनिंग (टोल्यूटीन ब्लू) का अभ्यास कराया गया तथा माइक्रोस्कोप के तहत उसका मूल्यांकन भी किया। इसके बाद छात्रों को कल्पणा प्लेटिंग और कॉलोनी कार्डिंग का भी डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया।



लिये सो.बी.सी.टी. सोस्टेवर का अभ्यास करने के साथ छात्रों की इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्राप्तिकृत किया।

औरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी प्रिसिन इन क्लीनिको-पैथोलॉजिक असेसमेंट नोड फॉर ए. रिसर्च विद ऐविडेन्स बेसड एप्रोच विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें

उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दृत विकित्स के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने ऐविडेन्स बेसड डेन्टर्स्ट्री से जुड़े तथ्यों से छात्रों को अवगत कराया। लेकर के दौरान छात्रों को डीएनए आइसोलेशन की बुनियादी बातों से अवगत कराने के साथ-साथ इस विषय पर हैंडस-ऑन

भी दिया गया। इसके बाद छात्रों को ब्लड के बारे में, सलाइवा और जीसीएफ संग्रह करना एवं पी आरपी तैयार करने के बारे में भी पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके बाद छात्रों को रिसेट कॉन्सेप्ट एंड मैथेडोलॉजीज ऑफ चेयर साइड इंवेस्टिगेशन विषय के बारे में बताया गया जिसमें छात्रों से विशेषज्ञ की निगरानी में संभावित घातक घावों वाले रोगियों की एक्समोलाइएटिव साइटोलॉजिकल स्मीवर और वाइटल स्टेनिंग (टोल्यूटीन ब्लू) का अभ्यास कराया गया तथा माइक्रोस्कोप के तहत उसका मूल्यांकन भी किया। इसके बाद छात्रों को कल्पणा प्लेटिंग और कॉलोनी कार्डिंग का भी डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया।

प्रत्यक्ष दैल्य डेन्टर्स्ट्री विभाग की फैकल्टी ने भी सभी छात्रों को कैरीज रिस्क असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने छात्रों को इस विषय

में जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन में अवगत कराया तथा छात्रों ने कैरिओट्रोम और कैम्ब्रिस्टिक असेसमेंट का बढ़-चढ़ कर अभ्यास किया तथा फैकल्टी द्वारा इस विषय के बारे में चर्चा भी की। इसके साथ छात्रों को कैरिओट्रोम का उपयोग करके कैरीज रिस्क असेसमेंट पर हैंडस-ऑन दिया गया तथा छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में संभावित घातक घावों वाले रोगियों की एक्समोलाइएटिव साइटोलॉजिकल स्मीवर और वाइटल स्टेनिंग (टोल्यूटीन ब्लू) का अभ्यास कराया गया तथा माइक्रोस्कोप के तहत उसका मूल्यांकन भी किया। इसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एन्यूकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चौहां तथा वाईस चेयरमैन अपॉर्ट चौहा को धन्यवाद दिया।



आईटीएस डेंटल कॉलेज में दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गणित्यावाद। आर्थिकप्रैंटेंट
कल्पना गणित्यावाद के ओल मैट्टेन
एवं रोबर्ट लॉर्डोंकी अतिरिक्त पैरेस्ट्रोनी एवं
पैरिस्ट्रोनीकी अनुसार गणित्यावाद के गो-डो-एस इन्टर्न के लिये ये दिव्यांग
कल्पनाकाल के कठोरमात्रा परामर्शदाता
कोइस काल अधिकारीय कर दिया गया। इस
कालमात्रा में 96 इन्टर्न ने भाग लिया।
इसमें सर्वकारी कोष सहाय में विधायिक
किया गया। इसमें सर्वकारी को उत्तरव्य
उत्तर को दिया विधायिक के लिये वे उत्तरका
कल्पनाकाल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ
उन्हें नवीनीकरण करने की प्रक्रियाओं
में अभियन्त्रिय कराया था।

इस दो विवेचनों का वर्कम के दौरान पहले समूह को और लैडीज़ एवं रेडीज़ोलीज़ी विवाह का फैकल्टी प्रश्न इन्टर्व्यु रोल औफ़ सीरीज़ोंसीटी एवं उत्तीर्ण इंटर्व्यु मोडलोंकी इन हैंडिस्ट्रूचर्च विवाह पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंडबुक-अभियन्त्र किये गये। उन्होंने सभी शाकों को सी. बी. सी.टी. के



उपर्युक्ती की मूल प्रक्रिया को बताएं मैं पूरा जानकारी दू। इसके साथ ही उन्हें सी.ओ.ओ.टी. के प्रमुख और अन्य २ डी. और ३ डी. इन्विटेशन गौर-तोकन के अंतर्काल के रैकेटालिंग किया तय जाता है। इसके बाहर इन्डो-प्रिसेन्ट, नवं खेलों को इन गौर-तोकन के अंतर्काल के रैकेटालिंग किया जाता है। इन्हें इन्विटेशन गौर-तोकन को इम्प्रेसिव और एकाधिक कृदर्शक के रूप जाता है। इसके साथ ही इन्हें एक अधिक विविधता देता है।

अंतिम दिया गया था। और इसके साथ-साथ
सिर और हृदय के हिस्से के विविधन
प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का
आलोचन करने के लिये सौ, सौ, टीटी,
साल्फ-ट्रेयर का अध्ययन करने के साथ
जारी की दूसरे जैव अल्लाना
करने के लिये भी प्रयोगिक बनाया गया।
ओस्ट्रोलाइट की विधाय की
फैक्टरीजारी भी प्रयोग इन
कार्बनाइको-पैथोलॉजिक असेसमेंट

नींद फरंत ए, रिस्वर्च बिंद ऐविडे-स
बेष्टह एगो विषय पर विज्ञान व्याख्या
मन्त्रमुन किए गए। इसके साथ ही उन्होंने
ऐविडे-नस बेसड लैट्टर्से से जुड़े तथा
से लातों को अपनाकर कराया। लैट्टर के
दैशन लातों को हां.एन.ए.
आइडेन्टिफिकेशन की अवधारणा आजों से
अवश्यकता कोने के साथ-साथ इस विषय
पर हाई-इन्स-ऑन भी दिया गया। इसके
बाद लातों को नल्के के बारे

में, सलाहकार और जी.सी.एस. संश्लेषण करना पर्याप्त था। अर्थात् वे तेवर करने के बारे में भी पूर्ण जानकारी दो गयी। इसके बाद जातीजो को रिसेट करनेरह एंड मैथोडोलॉजीज़ ऑफ़ चेयर सेटिंग इंटर्सिनल चियरिंग के बारे में भी जानकारी दी गयी। इसके बाद चियरिंग के लिए विशेषज्ञ की विवरणों में से साधारणत बकल घावों वाले रेफिंग्यों को एसेंसिलीएप्टिक साइटोलॉजीकल बकल स्प्रेयर और वाट्टर

स्टेनिंग (टोयूहीन बु) का अभास करवाया गया। माझाकाम्हेकपे के तहत दसकम मूल्यांकन पी किया हुसेके बाबत जाओ के कल्पर प्रोटिंग और कलोनी कार्डिट्रिंग का भी होमेन्स्टेन भी दिया गया। पर्सिल डिस्ट्रिंग इंटर्व्यू विचारों के बाबत जाओ के कल्पली ने भी सभी छात्रों को फैरीव रिकल्म असरदार बताया विचार पर विविध व्यवहारों प्रस्तुत किये गए, जिसमें उनको छात्रों का एक विचार ऐ-

जुड़े जैविकों एवं उक्सी क्षमताओंका से अवधारणा करना चाहिए ताकि वे और आग्रही और केन्द्रीय सिक्के असंस्थान का बढ़-चढ़ कर अभ्यास कर सकें। इसको कोरिट्रोनिक कंपनीएवं कंसल्टेंट्स के लिए एक अद्वितीय विकास विधि बनायी जा सकती है। इसके बाद इसको कोरिट्रोनिक पर लाना चाहिए।

व्यापक ग्रन्ति किए गए तथा लाजीं को भरने पर मौद्रिकीय भी दिया जाय। निम्नके उदाहरण से व्यापक ग्रन्ति करने वालोंको कोरिट्रोनिक उपयोग करना चाहिए ताकि व्यापक ग्रन्ति के लिए कोरिट्रोनिक प्राप्ति व्यापक ग्रन्ति के लिए एक अद्वितीय विकास विधि बनायी जा सकती है। इसके बाद इसको कोरिट्रोनिक पर लाना चाहिए।

दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन



गणियांश बर्तनाम सत्रा। आईटीएस डॉक्टरल कॉलेज, के ओरल मेडिसन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं परिलक हैल्प डेटिस्ट्री विभागों के द्वारा शी.डी.एस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 96 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में धृढ़ि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा 'इमेजिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी.-ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिंग इन डेन्टिस्ट्री' विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंडस-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तीर-तीरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नव्य ट्रेसिंग और आर्टिफेक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंडस-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सौंपटवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी 'प्रिसिपल इन क्लीनिको-पैथोलॉजिक असेसमेंट नीड फॉर ए. रिसर्च दिव ऐविडेन्स बेसड एप्रोच' विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने ऐविडेन्स बेसड डेन्टिस्ट्री से जुड़े तथ्यों से छात्रों को अवगत कराया। लेक्चर के दौरान छात्रों को शी.एन.ए. आइसोलेशन की बुनियादी बातों से अवगत कराने के साथ-साथ इस विषय पर हैंडस-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों को ब्लड के बारे में, सलाइवा और जी.सी.एफ. संग्रह करना एवं पी.आर.पी. तैयार करने के बारे में भी पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके बाद छात्रों को 'रिसेंट कॉन्सेप्ट एंड मैट्डोलॉजीस ऑफ चेयर साइड इवेस्टिगेशन' विषय के बारे में बताया गया जिसमें छात्रों से विशेषज्ञ की निगरानी में सम्भावित धातक धावों वाले रोगियों की एक्सफोलीएटिव साइटोलॉजिकल स्मीयर और वाइटल स्टेनिंग (टोल्यूडीन ब्लू) का अभ्यास करवाया गया तथा माइक्रोस्कोप के तहत उसका मूल्यांकन भी किया। इसके बाद छात्रों को कल्चर एंट्रिंग और कॉलोनी का उत्तिंग का भी डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया।

परिलक हैल्प डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी ने भी सभी छात्रों को 'कैरीज रिस्क असेसमेंट' विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमें में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों ने कैरिओग्राम और कैम्ब्रा रिस्क असेसमेंट का बढ़-चढ़ कर अभ्यास किया तथा फैकल्टी द्वारा इस विषय के बारे में चर्चा भी की। इसके साथ छात्रों को कैरिओग्राम का उपयोग करके कैरीज रिस्क असेसमेंट पर हैंडस-ऑन दिया गया तथा छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया तथा छात्रों को मरीज पर डेमोस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिकल एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस -द एजुकेशन शूप के चेयरमैन डॉ० आर०पी० चड्डा तथा वाईस चेयरमैन श्री अपैत चड्डा को ध्यावाद दिया।